शासकीय मानकुँवर बाई कला एवं वाणिज्य स्वशासी महिला महाविद्यालय, जबलपुर (म.प्र.)

एक दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय वेबिनार

दिनांक: 27 मई, 2024, सोमवार, समय: दोपहर 12:30 बजे (भारतीय समयानुसार)

विषय: भारतीय ज्ञान परंपरा के विविध संदर्भ

मुख्य संरक्षक
डॉ. संतोष जाटव
क्षेत्रीय अतिरिक्त संचालक, उच्च शिक्षा विभाग,
जबलपुर संभाग

प्राचार्य/संरक्षक/अध्यक्ष
डॉ. संध्या चौबे
शा. मा.कु.बा. कला एवं वाणिज्य
स्वशासी महिला महा., जबलपुर (म.प्र.)

मुख्य अतिथि
प्रो. पुष्पिता अवस्थी
विख्यात साहित्यकार
अध्यक्ष- हिन्दी यूनिवर्स फाउंडेशन
नीदरलैंड एवं आचार्य कुल, भारत

मुख्य वक्ता
श्री शिवकांत शर्मा
पूर्व बी.बी.सी. हिन्दी प्रमुख एवं
परामर्शक कैम्ब्रिज वि.वि. इंग्लैण्ड

विशिष्ट वक्ता
श्री ललित मोहन जोशी
निदेशक- साउथ एशियन सिनेमा
फाउंडेशन एवं 'सान्निध्य लंदन'

विशिष्ट वक्ता
प्रो. पुष्पा दुबे
विभागाध्यक्ष हिन्दी
शासकीय गृह विज्ञान स्नातकोत्तर
महाविद्यालय, नर्मदापुरम (म.प्र.)

प्रो. बी. एन. त्रिपाठी
समन्वयक
आंतरिक गुणवत्ता, आश्वस्ति प्रकोष्ठ
शा. मा.कु.बा. कला एवं वाणिज्य स्व.
महिला महा., जबलपुर (म.प्र.)

प्रो. स्मृति शुक्ल
संयोजक - अंतर्राष्ट्रीय ई. संगोष्ठी एवं
संयोजक-शोध विकास समन्वय प्रकोष्ठ
शा. मा.कु.बा. कला एवं वाणिज्य
स्वशासी महिला महाविद्यालय,
जबलपुर (म.प्र.)

प्रो. एम.ए. आरिफ
सह संयोजक- अंतर्राष्ट्रीय ई. संगोष्ठी एवं
सदस्य-शोध विकास समन्वय प्रकोष्ठ
शा. मा.कु.बा. कला एवं वाणिज्य
स्वशासी महिला महाविद्यालय,
जबलपुर (म.प्र.)

• प्रायोजक •
मध्यप्रदेश शासन, उच्च शिक्षा विभाग, भोपाल

• आयोजक •
आई.क्यू.ए.सी. एवं शोध विकास समन्वय प्रकोष्ठ
शा. मानकुँवर बाई कला एवं वाणिज्य स्वशासी महिला महाविद्यालय, जबलपुर (म.प्र.)

Google Form रजिस्ट्रेशन लिंक	-	https://forms.gle/o2GQo4NgaSJYQ1AM8
ZOOM मीटिंग लिंक	-	https://us06web.zoom.us/j/9718511453?
WhatsApp ग्रुप ज्वाइन लिंक	-	https://chat.whatsapp.com/CVTGXJ1D8sw3F4WYLNQuZb

शोध पत्र भेजने हेतु आवश्यक निर्देश

1. शोध पत्र हिन्दी भाषा में कृति देव 010 फॉन्ट साइज 14 में होना चाहिये ।
2. शोध पत्र अंग्रेजी भाषा में Arial Font size 12 में होना चाहिये ।
3. शोध पत्र की अधिकतम शब्द सीमा 3000 होना चाहिये ।
4. शोध पत्र को webinarjune27@gmail.com या व्हाट्सएप नंबर 9993408463 पर दिनांक 05 जून 2024 तक अनिवार्य रूप से भेजना सुनिश्चित करें ।

प्रायोजक	-	मध्यप्रदेश शासन, उच्च शिक्षा विभाग, भोपाल
आयोजक	-	शास. मानकुँवर बाई कला एवं वाणिज्य स्वशासी महिला महाविद्यालय, जबलपुर (म.प्र.)
संरक्षक एवं प्राचार्य	-	डॉ. संध्या चौबे, शा. मा.कु.बा. कला एवं वाणिज्य स्वशासी महिला महाविद्यालय, जबलपुर (म.प्र.)
समन्वयक (IQAC)	-	प्रो. ब्रम्हानंद त्रिपाठी, विभागाध्यक्ष, भूगोल, शास. मा.कु.बा. कला एवं वाणिज्य स्वशासी महिला महाविद्यालय, जबलपुर (म.प्र.)
अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी संयोजक	-	प्रो. स्मृति शुक्ल, प्राध्यापक, हिन्दी, शा. मा.कु.बा. कला एवं वाणिज्य स्वशासी महिला महाविद्यालय, जबलपुर (म.प्र.) मो.: 9993416937

आयोजन समिति

- डॉ. उज्जवला खारपाटे, विभागाध्यक्ष, वाणिज्य
- डॉ. सुनीता मिश्रा, विभागाध्यक्ष, राजनीतिशास्त्र
- डॉ. जे.के. गुजराल, प्राध्यापक, अर्थशास्त्र
- डॉ. आर.एन. श्रीवास्तव, प्राध्यापक, इतिहास
- डॉ. दीपक श्रीवास्तव, प्राध्यापक, राजनीति शास्त्र
- डॉ. नोएल दान, विभागाध्यक्ष, दर्शनशास्त्र
- डॉ. रश्मि चौबे, विभागाध्यक्ष, अर्थशास्त्र
- डॉ. टी.आर. नायडू, प्राध्यापक, हिन्दी
- डॉ. नंदिनी भारिल, प्राध्यापक, वाणिज्य
- डॉ. नीना उपाध्याय, विभागाध्यक्ष, हिन्दी
- डॉ. सपना चौहान, प्राध्यापक, हिन्दी
- डॉ. ज्योति जाट, क्रीड़ा अधिकारी

संपर्क

डॉ. इन्द्र सिंह बरकड़े, सह प्राध्यापक, हिन्दी, मो.: 9425776805

डॉ. बलीराम अहिरवार, सहा. प्राध्यापक, हिन्दी, मो.: 9981736133

तकनीकी सहयोग

इंजी. आलोक राजपूत, डॉ. सुनील दुबे (कॉमर्स), श्री जितेन्द्र अग्रहरि, सुश्री सुलेखा मलिक

शोध पत्र हेतु आमंत्रण

शासकीय मानकुंवर बाई कला एवं वाणिज्य स्वशासी महिला महाविद्यालय, जबलपुर के आंतरिक गुणवत्ता आश्वस्ति प्रकोष्ठ एवं महाविद्यालय के शोध विकास समन्वय प्रकोष्ठ द्वारा 'भारतीय ज्ञान परंपरा के विविध संदर्भ' विषय पर एक दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन दिनांक 27.5.2024 को किया जा रहा है। निम्नलिखित उपविषयों पर भी शोध पत्र आमंत्रित किये जा रहे हैं–

1. भारतीय ज्ञान परंपरा : कला एवं संस्कृति
2. भारतीय ज्ञान परंपरा की विविध शाखाएँ
3. भारतीय ज्ञान परंपरा : पर्यावरण संरक्षण एवं प्रबंधन
4. भारतीय ज्ञान परंपरा : दर्शन और अध्यात्म
5. भारतीय ज्ञान परंपरा और सामाजिक समरसता
6. भारतीय ज्ञान परंपरा में साहित्य और संगीत
7. भारतीय ज्ञान परंपरा और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020
8. भारतीय ज्ञान परंपरा के आर्थिक, सामाजिक और राजनैतिक संदर्भ
9. भारतीय ज्ञान परंपरा का स्वरूप और विकास
10. भारतीय ज्ञान परंपरा की समाज और राष्ट्र निर्माण में भूमिका

उपरोक्त उपविषयों पर देश के शिक्षाविदों, प्राध्यापकों, अतिथि विद्वानों एवं विद्यार्थियो से शोध पत्र आमंत्रित किये जा रहे हैं। प्रकाशन हेतु शोध पत्र भेजने की अंतिम तिथि 5 जून 2024 हैं। शोध पत्र की अधिकतम शब्द सीमा 3000 शब्द हैं। शोध पत्रों का प्रकाशन पुस्तक/स्मारिका के रूप में किया जावेगा।

पंजीयन निःशुल्क है

इस अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में जुड़ने वाले सभी विद्वानों को प्रमाण पत्र पदान किये जायेगें। इसके लिये सभी को पंजीयन प्रपत्र भरना होगा और दिये गये Whatsaap ग्रुप पर जुड़ना होगा तथा 27 मई 2024 को 12:30 बजे Online वेबिनार में उपस्थित होकर सभी विद्वानों के वक्तव्यों को सुनकर Feedback Form भरकर Submit करने पर ही प्रमाण पत्र दिये जाएँगें।

शासकीय मानकुँवर बाई कला एवं वाणिज्य स्वशासी महिला महाविद्यालय, जबलपुर

नैक बैंग्लोर द्वारा प्रदत्त ग्रेड (B+)

परिचय

मानकुँवर बाई कला एवं वाणिज्य स्वशासी महिला महाविद्यालय, जबलपुर की स्थापना उदारमना स्वर्गीय श्रीमती मानकुँवर बाई पुत्री स्व. दीवान बहादुर सेठ बल्लभदास की संपत्ति के न्यास से 1954 में हुई थी। अनेक वर्षों तक शासकीय मोहनलाल हरगोविंद दास गृह विज्ञान एवं विज्ञान महिला महाविद्यालय के साथ संयुक्त रूप से संचालित यह महाविद्यालय 28.08.1987 को अपने स्वतंत्र अस्तित्व में आया। यह प्रदेश के प्रतिष्ठित महाविद्यालयों में से एक है।

1990 में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा इसे स्वशासी महाविद्यालय का दर्जा प्रदान किया गया। कला और वाणिज्य संकाय की छात्राओं के अध्ययन के लिये यह एक श्रेष्ठ संस्था है। स्त्री शिक्षा के क्षेत्र में यह महाविद्यालय अपना विशिष्ट स्थान रखता है। जबलपुर के आस–पास के ग्रामीण क्षेत्रों से आकर छात्राएँ यहाँ शिक्षा प्राप्त कर अपने व्यक्तित्व का सम्यक विकास करती है और समाज के नव–निर्माण में योगदान देती है।

महाविद्यालय के कर्तव्यनिष्ठ एवं सुयोग्य प्राचार्य तथा अध्ययनशील एवं अनुभवी प्राध्यापकों द्वारा निरंतर पठन–पाठन एवं शोध की प्रक्रिया को समुन्नत किया जाता है। महाविद्यालय में नारी शिक्षा के क्षेत्र में गुणात्मक सुधार हेतु अभिनव मानदंड निर्धारित किये जाते है और उन्हे पूर्ण करने के लिए सतत् प्रयास किये जाते हैं। छात्राओं की संख्या की दृष्टि से यह जबलपुर नगर का बड़ा महाविद्यालय है। महाविद्यालय छात्राओं को आत्मनिर्भर बनाने, उनमें नेतृत्व के गुण विकसित करने और अपनी अस्मिता की पहचान सुनिश्चित कराने में समर्थ बनाता है। छात्राओं में सत्यनिष्ठा, समाज के प्रति उत्तरदायित्व की भावना विकसित करने और उन्हें साहसी, सहृदय, संवेदनशील तथा देश का श्रेष्ठ नागरिक बनाने हेतु महाविद्यालय सदैव प्रयत्नशील रहता है।

व्यावसायिक शिक्षा एवं स्वरोजगार की दिशा में प्रोत्साहित करने हेतु छात्राओं के कौशल को विकसित कर उन्हें इस दिशा में दक्ष बनाने हेतु प्रेरित किया जाता है। समाज में सकारात्मक भूमिका निभाने के लिये युवा पीढ़ी को शोध और अनुसंधान के अवसर प्रदान किये जाते हैं। इस महाविद्यालय में 15 विषयों में स्नातक एवं 13 विषयों में स्नातकोत्तर स्तर के अध्ययन की सुविधा है। हिन्दी, वाणिज्य, संगीत और चित्रकला विभाग शोध केन्द्र के रूप में मान्य है। महाविद्यालय के 30 प्राध्यापक शोध निर्देशक के रूप मे पंजीकृत हैं। जिनके कुशल मार्गदर्शन में 128 छात्राएँ पी–एच.डी. शोध उपाधि हेतु पंजीकृत हैं तथा अब तक 200 से अधिक छात्राएँ शोध – उपाधि प्राप्त कर चुकी हैं। इस महाविद्यालय की अनेक छात्राएँ प्रशासनिक सेवाओं में चयनित होकर देश की सेवा कर रही हैं। अनेक छात्राओं ने साहित्य, संगीत, चित्रकला, वाणिज्य, क्रीड़ा और व्यवसाय के क्षेत्र में उपलब्धियाँ अर्जित कर अपनी विशिष्ट पहचान बनायी है।

एक दिवसीय ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार

"भारतीय ज्ञान परंपरा के विविध संदर्भ"

प्रकाशन हेतु शोध पत्र भेजने की अंतिम तिथि :-

05/06/2024

पंजीयन की लिंक:-

https://forms.gle/o2GQo4NgaSJYQ1AM8

ऑनलाइन वेबिनार ज़ूम मीटिंग लिंक:

https://us06web.zoom.us/j/9718511453?pwd=h7biZTUab0KjGvMD67VrIsya9N4DGo.1&omn=85404335400

शोध पत्र भेजने हेतु मेल आई डी:-

webinarjune27@gmail.com

व्हाट्स एप्प ग्रुप जॉइनिंग लिंक :-

https://chat.whatsapp.com/CVTGXJ1D8sw3F4WYLNQuZb

व्हाट्स एप्प नम्बर:-

9993408463

जो प्रतिभागी 27/05/2024 को अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में अपना शोध पत्र प्रस्तुत करना चाहते हैं , उन्हे 5 मिनिट का समय दिया जाएगा